International Journal of Applied and Universal Research **E- ISSN No: 2395-0269**
Volume VI, Issue II, April 2019 Available online at: www.ijaur.com

मध्य प्रदेश के रीवा एवं शहडोल सम्भाग के शासकीय महाविद्यालयों में पुस्तकालय सेवकों की स्थिति

डॉ. सत्य प्रकाश सिंह[1] और भारत भूषण दुबे[2]
1. शोध निर्देशक विभागाध्यक्ष पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शा.टी.आर.एस. महावि.रीवा
2. शोधार्थी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान

सारांश– पुस्तकालय सूचना प्राप्ति का प्रमुख एवं अनिवार्य स्थान है वर्तमान समय में सूचना समाज का प्रमुख एवं अनिवार्य अंग बन गया है। प्रस्तुत शोध पत्र पुस्तकालय सेवकों रीवा एवं शहडोल सम्भाग के ग्रंथपाल, बुक लिफ्टर सहायक ग्रंथपाल की जानकारी ली गई जिससे यह ज्ञात हुआ कि म.प्र. के शासकीय महाविद्यालयों के रीवा एवं शहडोल सम्भाग में कुल 69 शासकीय महाविद्यालय है जिसमें मात्र 10 नियमित ग्रंथपाल है और 53 पद रिक्त है। जिससे पुस्तकालय में छात्र/छात्राओं को काफी समस्याओं का सामाना करना पड़ता है।

मुख्य शब्दः– पुस्तकालय, पुस्तकालय सेवक रीवा एवं शहडोल सम्भाग (म0प्र0)।

प्रस्तावना :–

पुस्तकालय एक सामाजिक संस्था मानी गई है। वास्तविकता यह है कि पुस्तकालय समाज के सहयोग से, समाज के लिए संचालित होती है। समाज का यह सहयोग पुस्तकालय के माध्यम से अपने और राष्ट्र के विकास के लिए होता है। ग्रंथालयों में विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय इसका उपयोग छात्र/छात्राऐं उस समय तक करते हैं जब तक उनकी शिक्षा खत्म नहीं हो जाती है। पुस्तकालय छोटा हो या बड़ा उसका एक मात्र कार्य पाठकों की आवश्यकता की पूति करना है। इसका अर्थ यह कि पुस्तकालय में विश्व का समस्त ज्ञान विभिन्न प्रकार के ग्रंथों प्रलेखों आदि में संकलित रहता है। ये प्रलेख पुस्तकालय के विभिन्न पाठकों को शिक्षा तथा सूचना सम्बंधि आवश्यक जानकारियों को प्रदान करता है।

इन ग्रंथालयों को सही एवं उचित ढंग से संचालित करने में विभिन्न प्रकार के कर्मचारियों का योगदान रहता है। पुस्तकालय में ये कर्मचारी विभिन्न स्तरों पर विभिन्न श्रेणियों में कार्य करते हैं।

महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय पुस्तकालय अपने पाठकों को तभी अपनी सेवा से संतुष्ट कर पायेगा जब उसके पास पर्याप्त शिक्षित–प्रशिक्षित कर्मचारी होगे। वर्तमान में मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के ग्रंथालयों में शिक्षित–प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव है। इस कारण से महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय के पुस्तकालय के प्रशासनिक स्थिति ठीक नहीं है।

वर्तमान में मध्यप्रदेश में 469 शासकीय महाविद्यालय है और इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। लगभग इन सभी शासकीय महाविद्यालयों में ग्रंथालय स्थापित है। इन सभी शासकीय महाविद्यालयों में ग्रंथालयों के संचालन हेतु विभिन्न श्रेणी के सेवक कार्यरत है।

रीवा एवं शहडोल सम्भाग के महाविद्यालयः–

परिचय

मध्यप्रदेश शासन ने राजस्व दृष्टिकोण से प्रशासन के लिए कई सम्भाग बनाये हैं। जिसमें रीवा और शहडोल अलग–अलग सम्भाग है। परन्तु मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने उच्च शिक्षा के संचालन के दृष्टिकोण से दोनों का एक ही क्षेत्रिया जोन/रीवा शहडोल बनाया है, और कार्यालय रीवा में स्थापित किया है। रीवा/शहडोल क्षेत्रीय जोन में वर्तमान समय में स्थापति रीवा में शासकीय 48, गैर अनुदान अशासकीय 85, अनुदान प्राप्त अशासकीय 9 तथा शहडोल में शासकीय 21, गैर अनुदान अशासकीय 9 है। इस प्रकार से शासकीय महाविद्यालय रीवा एवं शहडोल सम्भाग में वर्तमान में 69 संचालित है।

रीवा एवं शहडोल सम्भाग में अग्रणी महावि.	– 07
स्वशासी महाविद्यालय	– 04
स्नातकोत्तर महाविद्यालय	– 15
स्नातक महाविद्यालय	– 54
आदिवासी क्षेत्र का महाविद्यालय	– 07
कन्या महाविद्यालय	– 06
संस्कृत महाविद्यालय	– 04
विधि महाविद्यालय	– 02

संचालित है।

जिसमें ग्रंथपाल के 57 पद स्वीकृत है नियमित ग्रंथपाल मात्र 11 है। बाकी शासन पद के विरूद्ध 46, पद पर अतिथि ग्रंथपाल से कार्य करवा रही है।

बुक लिफ्टर के 24 पद स्वीकृत है और जिसमें 15 पद भरे है बाकी 11 रिक्त है। पुस्तकालय परिचारक के 2 पद स्वीकृत है जिसमें 1 भरा है और एक रिक्त है। सहायक ग्रंथपाल के 10 पद स्वीकृत है जिसमें दो कार्यरत है 8 रिक्त है।

रीवा एवं शहडोल सम्भाग के महाविद्यालयों के ग्रंथालयों के लिए स्वीकृत पदों की संख्या वहॉ कार्यरत/ शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं अध्ययनरत छात्र छात्राओं की स्थिति के आधार पर बहुत कम है। ऐसी स्थिति में महाविद्यालय प्रशासन अपनी व्यवस्था के अनुरूप अतिरिक्त सेवकों की व्यवस्था करते है। महाविद्यालय प्रति वर्ष इस व्यवस्था को बदलता रहता है।

शिक्षाः–

महाविद्यालयों में कार्य करने के लिए ग्रंथपाल को न्यूनतम पी. एच.डी. (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान) में आवश्यक है। वर्तमान समय में महाविद्यालयों में 10 नियमित ग्रंथपाल और 53 अतिथि ग्रंथपाल के रूप में कार्यरत है। इनमें 3 नियमित ग्रंथपाल एवं 3 अतिथि विद्वान पी.एच.डी. धारक है। शेष ग्रंथपालों में 41 एम.फिल. एवं 7 स्नातकोत्तर (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान) विषय में हैं। शासकीय कन्या महाविद्यालय रीवा में 1 ग्रंथपाल अतिशेष कार्यरत है।

रीवा एवं शहडोल सम्भाग के ग्रंथालयों में कार्यरत 2 सहायक ग्रंथपालों में दोनों सहायक ग्रंथपाल स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय में हैं।

बुक लिफ्टर के लिए 12वीं एवं वि.लिब. की आवश्यकता होती है। परन्तु काफी दिनों से पद को शासन ने भर्ती नहीं किया इसलिए ज्यादातर बुक लिफ्टर 12वीं पास कार्य कर रहे है।

उपसंहार :–

वर्तमान समय में पुस्तकालय शिक्षण संस्थान का अभिन्न अंग है पुस्तकालय के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति अपने शिष्य की नवीन एवं अधिकांधिक सूचना प्राप्त कर सकता हैं। उपयुक्त पुस्तकालय सेवकों रीवा एवं शहडोल सम्भाग के ग्रंथपाल, बुक लिफ्टर सहायक ग्रंथपाल की जानकारी ली गई जिससे यह ज्ञात हुआ कि म.प्र. के शासकीय महाविद्यालयों के रीवा एवं शहडोल सम्भाग में कुल 69 शासकीय महाविद्यालय है जिसमें मात्र 10 नियमित ग्रंथपाल है और 53 पद रिक्त है। जिससे पुस्तकालय में छात्र/छात्राओं को काफी समस्याओं का सामाना करना पड़ता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. महेन्द्रनाथ 1998 पुस्तकालय और समाज,जयपुर पोइन्टर पब्लिशर्स।
2. शर्मा पाण्डेय एस0के01998 पुस्तकालय एवं समाज नई दिल्ली ग्रथ अकादमी
3. सैनी,ओमप्रकाश 1999 ग्रंथालय एवं समाज आगरा बाई. के. पब्लिशर्स।
4. झा कुन्दन 2012 छत्तीसगढ़ सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम एक अध्ययन बिलासपुर शा. जमुना प्रसाद वर्मा स्नातो.महाविद्यालय बिलापुर छत्तीसगढ़।
5. झा कुन्दन 2014 पुस्तकालय सूचना संप्रेशण का माध्यम शा.नार्गाजुन विज्ञान महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़।
6. Public library revitalization in india: Hopes, challenges and new vision by Ajit K.pyati. On First Monday peer- Reviewed journal on the internet.
7. Libarary and Information technology position of India in modern time ISSN NO.: 2321-290X SHRINKHLA : VOL-1* ISSUE-4*DECEMBER2013.
8. A Dream of Future Currency: A Principal of Library Science on Periodic Research ISSN No. 2231-0045 VOL .I*ISSUCE –IV MAY -2013 Author: KAMAL GULATI.